RISING RAJASTHAN

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

न्यायालय जिला कलक्टर, बालोतरा

पीठासीन अधिकारी : सुशील कुमार, आई0ए0एस0

राजस्व अपील सं. 30/2025

प्रार्थी :–	बनाम	अप्रार्थीगणः –
1. एस. आर. जी हाउसिंग फाईनेंन्स लिमिटेड पता– कार्यालय 1046, दसवी मंजिल, हबटाउन सोलारिस, एन.एस. फडके मार्ग, विजय नगर, अन्धेरी (ईस्ट) मुम्बई 400069 महाराष्ट्र एवं क्षेत्रीय कार्यालय–321 एस.एम. लोढा, काम्पलैक्स, शास्त्री सर्कल के पास, उदयपुर 313001 राजस्थान जरिये प्राधिकृत अधिकारी श्री यशपाल सिंह।		1. श्री मुरलीदास पुत्र रूपदास 2. श्रीमती रेखा देवी पत्नी श्री मुरलीदास निवासीयान साटो का बास, ग्राम मियो का बाडा, रामपुरा, तहसील समदड़ी, जिला बालोतरा। 3. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री हरीराम पता मकान नंबर 13 पालीवालों का वास, गांव उमरलाई खालसा, तहसील पचपदरा, जिला बालोतरा। 4. पोकर दास पुत्र चेतनदास पता बेरा गुदरिया, गांव जेठन्तरी, तहसील सिवाना, जिला बालोतरा।

प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002

उपस्थिति :–

1.श्री चन्द्रसिंह राठौड़ अधिवक्ता (प्रार्थीपक्ष)

आदेश

दिनांकः– 26.11.2025

1. प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनगर्ठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अप्रार्थीगण श्री मुरलीदास व अन्य के विरूद्व पेश हुआ।

2. प्रार्थना पत्र के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी के द्वारा अप्रार्थीगण को सेक्शन लेटर दिनांक 26.06.2018 को त्रृण खाता संख्या HLR00000000004904 में कुल राशि रूपये 4,00,000/– (अक्षरे चार लाख रूपये) मोर्टगेज ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा पुनर्भुगतान हेतु अप्रार्थी संख्या 1 श्री मुरलीदास की मारगेज संपति मौजा रामपुरा में पट्टा संख्या 60 दिनांक 12.06. 2009 ग्राम पंचायत रामपुरा द्वारा मुरली दास पुत्र रूपदास संत के नाम जारी किया गया, जिसका कुल क्षेत्रफल 5916.375 वर्गफीट है, जिसकी चतुर्थ सीमांए उतर में बालकदास, दक्षिण में आम रास्ता, पूर्व में रास्ता, पश्चिम मे गुजरों का प्लाट हुआ है, को प्रार्थी बैंक /कम्पनी के पक्ष में रहन/हाईपोथिकेशन कर दिया। अप्रार्थीगण द्वारा नियमित रूप से प्रार्थी बैंक/कम्पनी को ऋण का भुगतान करने में असफल रहने पर प्रार्थी द्वारा ऋण राशि मय ब्याज के अदा करने हेतु उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत अप्रार्थी के नाम से नोटिस जारी किये गये तथा नोटिस

जिला कलक्टर

प्राप्ति/सूचना के पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि मय ब्याज **दिनांक 09.09.2024 तक** 24,88,210/– रूपये भुगतान नहीं करने पर प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थीगण के द्वारा बतौर जमानत रहन/हाईपोथिकेशन रखी गई सम्पति का कब्जा प्रार्थी बैंक को सम्भलाने हेतु यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया।

3. हमने पत्रावली एवं प्रस्तुत दस्तावेजात का अवलोकन किया एवं मनन किया। अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करने के पश्चात भी मांग की गई राशि का अप्रार्थीगण द्वारा भुगतान नहीं किया गया है। न्यायिक दृष्टान्त, माननीय उच्च न्यायालय कर्नाटक की रिट याचिका संख्या 9694/2005 सुनन्दा कुमारी वगैरह बनाम स्टैण्डर्ड चार्टेट बैंक में पारित निर्णय दिनांक 23.03.2006 के अनुसार ऋणी को धारा 13 की उप धारा के तहत नोटिस जारी किया जाने व तामिल के पश्चात मजिस्ट्रेट को धारा 14 के तहत आदेश पारित करने से पूर्व पुनः ऋणी को नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं है। The Securitisation and reconstruction of financial assets and enforcement of securities interest Act 2022 की धारा 14 में उक्त रहन की गई सम्पति का कब्जा प्रार्थी को दिलाये जाने बाबत स्पष्ट प्रावधान है, जो इस प्रकार है:–

14. Chief Metropolitan Magistrate or District Magistrate to assist secured creditor in taking possession of secured asset

(1) Where the possession of any secured assets is required to be taken by the secured creditor or if any of the secured assets is required to be sold or transferred by the secured creditor under the provisions of this Act, the secured creditor may, for the purpose of taking possession or control of any such secured assets, request, in writing, the Chief Metropolitan Magistrate or the District Magistrate within whose jurisdiction any such secured asset or other documents relating thereto may be situated or found, to take possession thereof, and the Chief Metropolitan Magistrate or as the case may be, the District Magistrate shall, on such request being made to him—

(a) take possession of such asset and documents relating thereto; and

(b) forward such asset and documents to the secured creditor:

(2) For the purpose of securing compliance with the provisions of sub-section (1), the Chief Metropolitan Magistrate or the District Magistrate may take or cause to be taken such steps and use, or cause to be used, such force, as may, in his opinion, be necessary.

4. अतः उक्त अधिनियम की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों के तहत प्रार्थी बैंक/कम्पनी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। अप्रार्थी ऋणी की ओर से प्रार्थी के पक्ष में बंधक आवासीय अचल सम्पति आवासीय रिहायशी :– अप्रार्थी संख्या 1 श्री मुरलीदास की मारगेज संपति मौजा रामपुरा में पट्टा संख्या 60 दिनांक 12.06.2009 ग्राम पंचायत रामपुरा द्वारा मुरली दास पुत्र रूपदास संत के नाम जारी किया गया, जिसका कुल क्षेत्रफल 5916.375 वर्गफीट है, जिसकी चतुर्थ सीमांए उतर में

जिला कलक्टर

बालकदास, दक्षिण में आम रास्ता, पूर्व में रास्ता, पश्चिम मे गुजरों का प्लाट हुआ है, को बतौर जमानत प्रार्थी बैंक/कम्पनी के पास बन्धक रखा था। जिसका भौतिक कब्जा व उससे संबंधित अन्य दस्तावेज जो अप्रार्थी के कब्जें में हों को प्रार्थी बैंक/कम्पनी द्वारा संबंधित पुलिस थाना इमदाद प्राप्त कराये जाने के आदेश दिये जाते है। आदेश की प्रति पुलिस अधीक्षक, बालोतरा को उक्तानुसार पालनार्थ, संबंधित पुलिस थाना को निर्देशित करने हेतु प्रेषित हों। उक्त सम्पति का कब्जा दिलाने हेतु पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतनभत्तों व यात्रा व्यय आदि का भुगतान नियमों में देय है तो संबंधित बैंक/कम्पनी द्वारा वहन किया जायेगा। आदेश की एक प्रति प्रार्थी बैंक/कम्पनी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही जारी हो।

5. आदेश आज दिनांक **26.11.2025** को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

जिला कलक्टर
(सुशील कुमार)
जिला मजिस्ट्रेट बालोतरा